राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1413

03 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

रेलवे द्वारा इस्पात की मांग

1413. डा॰ कनवर दीप सिंहः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) रेल पटरियों के नवीनीकरण और क्षमता वृद्धि के लिए भारतीय रेलवे की नई रेल लाइनों की मांग को पूरा करने में असमर्थ है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा प्राप्त मांग सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड ने भारतीय रेलवे सहित, एजेंसियों को अपेक्षित मात्रा में इस्पात की पूर्ति करने के लिए कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): वर्ष 2019-20 में भारतीय रेलवे ने लगभग 17 लाख टन रेल की माँग की है। सेल 13.5 लाख टन रेल की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2016-17 से भारतीय रेलवे से प्राप्त भारी माँग और सेल द्वारा तद्नुसार आपूर्ति का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

इकाई: हजार टन में

वर्ष	भारतीय रेलवे से प्राप्त भारी माँग	आपूर्ति
2016-17	1005	620
2017-18	1145	874
2018-19	1400	945
2019-20	1350	188 (अप्रैल-मई 2019)

(ग) और (घ): जी हाँ। भिलाई इस्पात संयंत्र ने आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के तहत रेलवे की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए रेलों की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 1.2 एमटीपीए क्षमता की यूनिवर्सल रेल मिल संस्थापित की है। यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) से उत्पादन नवंबर, 2016 से शुरू हो चुका है।

****